

**सुतीक्ष्ण वि.** (तत्.) अधिक तीक्ष्ण, तेज धारदार, पैना, पीड़ा-युक्त पुं. अगस्त्य मुनि के भाई जो बनवास के समय श्री रामचंद्र जी से मिले थे, सहिजन।

**सुतीक्ष्णका स्त्री.** (तत्.) सरसों, सर्षप।

**सुतीय स्त्री.** (तत्.) उत्तम स्त्री, सुंदर स्त्री।

**सुतीरवन/सुतीछन पुं./वि.** (तद्.) बहुत तीक्ष्ण।

**सुतीर्थ पुं.** (तत्.) 1. शिव 2. एक पौराणिक पर्वत वि. जो सहज में पार किया जा सके (जलाशय), उत्तम तीर्थ।

**सुतुंग वि.** (तत्.) बहुत अधिक ऊँचा पुं. नारियल का पेड़, ज्योतिष में ग्रहों का उच्चांश।

**सुतुहा पुं.** (देश.) बड़ी सुतुही।

**सुतुही स्त्री.** (तद्.) सीपी, शिशुओं को दूध पिलाने या आम के छिलके छिकने की सुतुही।

**सुतून पुं.** (फा.) खंभा, स्तंभ।

**सुतेजन पुं.** (तत्.) बहुत नुकीला तीर, धामिन नामक वृक्ष वि. नुकीला, बहुत तेज धार वाला।

**सुतोष वि.** (तत्.) संतुष्ट पुं. पूर्णतुष्टि, संतोष।

**सुत्ता वि.** (देश.) सोया हुआ।

**सुत्तिका स्त्री.** (तत्.) तोरई, कोशातकी, शल्लकी, सलई।

**सुत्तुर पुं.** (देश.) जुलाहों के करघे का वह बाँस जिसमें कंधी बंधी रहती है, कुलबाँसा।

**सुत्पा स्त्री.** (तत्.) सोमरस निकालना या बनाना, यज्ञ के लिए सोमरस निकालने का दिन।

**सुत्रामा पुं.** (तत्.) वह जो उत्तम रूप से रक्षा करता हो, इंद्र, पुराणानुसार तेरहवें मन्वंतर का एक देवगण।

**सुत्री स्त्री.** (देश.) सुंदर स्त्री, औरत, स्त्री।

**सुथना पुं.** (देश.) पजामा।

**सुथनी स्त्री.** (देश.) स्त्रियों के पहनने का एक प्रकार का ढीला पाजामा।

**सुथरा वि.** (तत्.) स्वच्छ, निर्मल, साफ।

**सुथराई स्त्री.** (देश.) सुथरापन।

**सुथरापन पुं.** (देश.) स्वच्छता, सफाई, परिष्कार।

**सुथरेशाह पुं.** (तत्.) गुरु नानक के एक प्रसिद्ध शिष्य जिन्होंने अपना एक स्वतंत्र संप्रदाय चलाया था।

**सुथरेशाही स्त्री.** (तत्.) सुथरेशाह का चलाया हुआ एक संप्रदाय पुं. उक्त संप्रदाय का अनुयायी साधु, ऐसे साधु प्रायः सुथरेशाह के बनाए हुए पद गाकर भीख माँगते हैं।

**सुथौनिया पुं.** (देश.) जहाज के मस्तूल के ऊपरी भाग में वह छेद जिसमें पाल लगाने के समय उसकी रस्सी पहनाई जाती है।

**सुदंड पुं.** (तत्.) बेंत, बेल।

**सुदंडिका स्त्री.** (तत्.) गोरख इमली, गोरक्षी, अजदंडी, ब्रह्मदंडी।

**सुदंत वि.** (तत्.) सुंदर-अच्छे दाँतों वाला पुं. अच्छा दाँत, नट, नर्तक, एक समाधि।

**सुदंती स्त्री.** (तत्.) पश्चिमोत्तर (वायव्य) दिशा की दिक्करिणी, एक दिग्गल की हथिनी का नाम, मादा हाथी।

**सुदंष्ट्र वि.** (तत्.) सुंदर दाँतो वाला पुं. श्रीकृष्ण का एक पुत्र।

**सुदक्षिण स्त्री.** (तत्.) राजा दिलीप की पत्नी का नाम, पुराणानुसार श्रीकृष्ण की एक पत्नी वि. बहुत कुशल, नम्र, सच्चा, खरा, बहुत उदार, दक्षिणा देने वाला।

**सुदक्षिणा स्त्री.** (तत्.) दिलीप की पत्नी, कृष्ण की एक पत्नी।

**सुदम वि.** (देश.) दमदार।

**सुदमन पुं.** (तत्.) आम का पेड़ और फल।

**सुदरसन वि./पुं.** (तद्.) सुदर्शन।

**सुदरसनपानि वि.** (देश.) सुदर्शन पाणि, जिसके हाथ में सुदर्शन चक्र हो पुं. विष्णु।